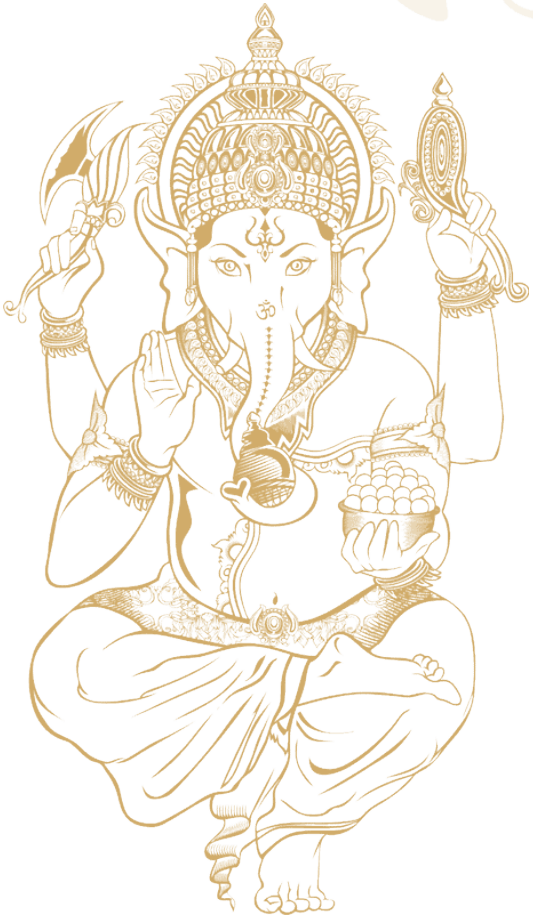

Himalya singh house left

24 Jan 2026

08:51 PM

Pilkhua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121699402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:51:00 घंटे**
इष्ट	34:08:55 घटी
स्थान	**Pilkhua**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:42:00 उत्तर
रेखांश	77:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:31:44 घंटे
वेलान्तर	-00:12:02 घंटे
साम्पातिक काल	04:47:35 घंटे
सूर्योदय	07:11:26 घंटे
सूर्यास्त	17:51:34 घंटे
दिनमान	10:40:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:25:28 मकर
लग्न के अंश	19:51:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:51:46	316:05:54	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	10:25:28	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	20:24:30	13:40:01	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	06:45:14	00:46:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	मक	12:26:31	01:42:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:00:30	00:07:28	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	14:42:48	01:15:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:43:17	00:05:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:10:37	00:01:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:10:37	00:01:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:17:04	00:00:33	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:43:29	00:01:28	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:14:19	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	19:04:49	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

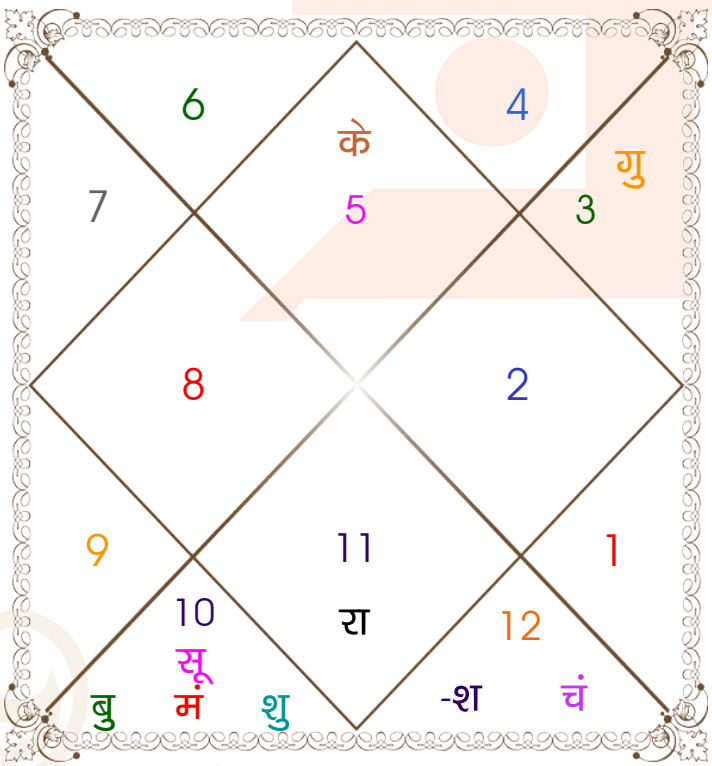

चन्द्र कुंडली

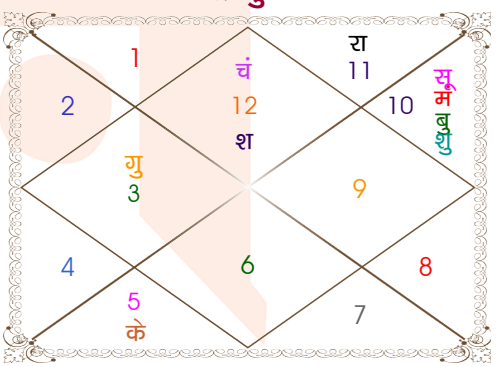

नवमांश कुंडली

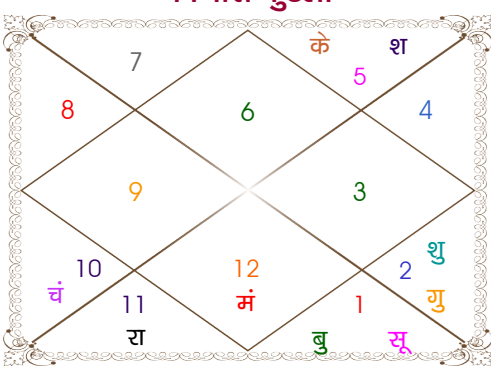

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 2 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/01/2026		18/04/2038		18/04/2045		18/04/2065		18/04/2071	
18/04/2038		18/04/2045		18/04/2065		18/04/2071		18/04/2081	
	00/00/0000	केतु	14/09/2038	शुक्र	17/08/2048	सूर्य	05/08/2065	चंद्र	17/02/2072
	24/01/2026	शुक्र	14/11/2039	सूर्य	18/08/2049	चंद्र	04/02/2066	मंगल	17/09/2072
शुक्र	13/07/2027	सूर्य	21/03/2040	चंद्र	18/04/2051	मंगल	12/06/2066	राहु	19/03/2074
सूर्य	18/05/2028	चंद्र	20/10/2040	मंगल	18/06/2052	राहु	07/05/2067	गुरु	19/07/2075
चंद्र	18/10/2029	मंगल	18/03/2041	राहु	18/06/2055	गुरु	23/02/2068	शनि	16/02/2077
मंगल	15/10/2030	राहु	06/04/2042	गुरु	16/02/2058	शनि	04/02/2069	बुध	18/07/2078
राहु	03/05/2033	गुरु	13/03/2043	शनि	18/04/2061	बुध	11/12/2069	केतु	17/02/2079
गुरु	09/08/2035	शनि	21/04/2044	बुध	17/02/2064	केतु	18/04/2070	शुक्र	17/10/2080
शनि	18/04/2038	बुध	18/04/2045	केतु	18/04/2065	शुक्र	18/04/2071	सूर्य	18/04/2081

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/04/2081		18/04/2088		19/04/2106		19/04/2122		19/04/2141	
18/04/2088		19/04/2106		19/04/2122		19/04/2141		00/00/0000	
मंगल	14/09/2081	राहु	30/12/2090	गुरु	06/06/2108	शनि	22/04/2125	बुध	16/09/2143
राहु	03/10/2082	गुरु	24/05/2093	शनि	19/12/2110	बुध	31/12/2127	केतु	12/09/2144
गुरु	08/09/2083	शनि	30/03/2096	बुध	26/03/2113	केतु	08/02/2129	शुक्र	25/01/2146
शनि	17/10/2084	बुध	18/10/2098	केतु	01/03/2114	शुक्र	10/04/2132		00/00/0000
बुध	14/10/2085	केतु	05/11/2099	शुक्र	30/10/2116	सूर्य	22/03/2133		00/00/0000
केतु	13/03/2086	शुक्र	06/11/2102	सूर्य	19/08/2117	चंद्र	22/10/2134		00/00/0000
शुक्र	13/05/2087	सूर्य	01/10/2103	चंद्र	19/12/2118	मंगल	01/12/2135		00/00/0000
सूर्य	18/09/2087	चंद्र	01/04/2105	मंगल	25/11/2119	राहु	07/10/2138		00/00/0000
चंद्र	18/04/2088	मंगल	19/04/2106	राहु	19/04/2122	गुरु	19/04/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।